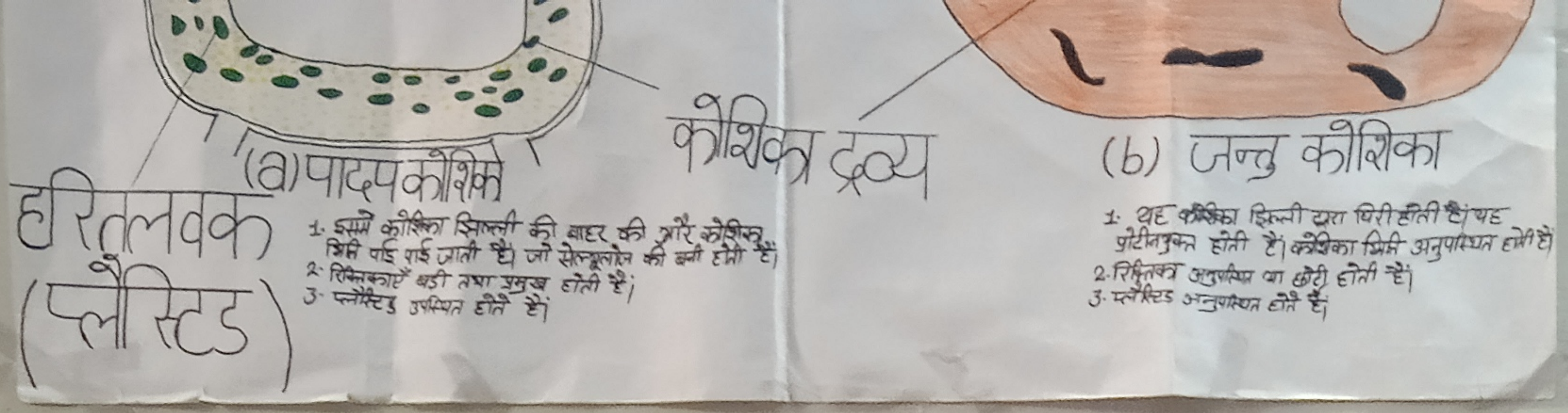

/2022 P-I

10/11/2022

पाठ - 15

सूरदास के पद

उत्तर-1 श्रीकृष्ण जी चोटी बड़ी और मोटी करना चाहते थे इस लोभ के कारण वे दूध पीने के लिए तैयार हुए।

उत्तर-2 श्रीकृष्ण जी अपनी चोटी के बारे में यह सोच रहे थे कि दुध पीने से मेरी चोटी भूमि तक पहुँच जाएगी और नागिन की तरह लहराएगी।

उत्तर-3 श्रीकृष्ण जी दुध की तुलना मे मक्खन-रोटी खाना पसन्द करते थे।

उत्तर-4 इन पंक्तियो में गोपियो/ग्वालन के मन में यशोदा के लिए कृष्ण जैसा पुत्र पाने पर ईर्ष्या की भावना व कृष्ण के उनका माखन चुराने पर क्रोध के भाव मुखरित हो रहे है। इसलिए वह यशोदा माता को उलाहना दे रही है।

उत्तर-5 श्रीकृष्ण जी को माखन ऊँचे टंगे छींको से चुराने में दिक्कत होती थी इसलिए माखन गिर जाता था। तथा चुराते समय वे आधा मक्खन खुद खाते थे वह आधा अपने सखाओ को खिलाते है। जिसके कारण माखन जगह-जगह जमीन पर गिर जाता है।